E- Learning Study Material
By Prof YADWENDRA SINGH
MAHARAJA COLLEGE, ARA
VKS UNIVERSITY, ARA, BIHAR
BA PART Third Economics Hons
Paper Six

Importance of Cottage and Small Scale Industries in the Economy of Japan :-

जापान द्वारा लघु एवं कुटीर उद्योगों द्वारा निर्मित वस्तुओं के बड़े पैमाने पर निर्यात से उत्पन्न स्थितियों का अध्ययन एवं वस्तुस्थिति की वास्तविक रूप से छानबीन करने के लिए अन्तर्राष्ट्रीय श्रम कार्यालय के सहायक निदेशक मारेट (Maurette) को जापान भेजा गया क्योंकि यूरोपीय देशों ने 1934-35 में जापान की उग्रवादी गतिविधियों के खिलाफ आवाज उठाई थी। लेकिन जापान से लौटने पर मारेट ने अपने प्रतिवेदन में व्यक्त किया कि जापान में सामाजिक शोषण नहीं हो रहा है। इस कथन से जापानी लघु उद्योगों की श्रेष्ठता का आभास मिलता है। जैसा कि जमनालाल का कहना है, "विश्वास किसी पर नहीं, जापान के विशाल औद्योगिक

साम्राज्य की शक्ति मुख्यतः तथाकथित लघु उद्योगों के कारण है जिनमें 54 प्रतिशत एक-व्यक्ति कार्यशालाएँ एवं 40 प्रतिशत लघु कारखाने सम्मिलित हैं जिनमें पाँच से भी कम श्रमिकों द्वारा कार्य किये जाते हैं।"

श्री जमनालाल को भारतीय सरकार ने जापानी लघु उद्योगों का अध्ययन करने के लिए जापान भेजा था।

जापान में लघु उद्योगों की समृद्धि के कारण :-

जापान के लघु उद्योगों की समृद्धि के अनेक कारण हैं-

1. जापान में प्राकृतिक साधनों एवं पूँजी की कमी थी। किन्तु इसकी जनसंख्या तेजी से बढ़ रही थी। अतएव बढ़ती हुई जनसंख्या को उत्पादन का कार्य दिलाने के लिए जापान ने मुख्य रूप से लघु उद्योगों का सहारा लिया।
2. ये लघु उद्योग विभिन्न रुचियों के अनुसार तरह-तरह की वस्तुओं का उत्पादन करते हैं।
3. जापान में परिवहन और संचार की सुविधाओं के विस्तार ने इन उद्योगों के लिए कच्चे मालों को पहुँचाने तथा इनकी निर्मित वस्तुओं को बाजार में ले जाने में सहायता प्रदान की। इस सुविधा के कारण जापान में कहीं भी लघु पैमाने के उद्योग पनप सकते थे।